हाँ चमत्कार हो सकता है, लेकिन... !! अनुभव!!

बड़े तो बड़े लेकिन छोटे सुभान अल्लाह, ये कहावत सुनी थी लेकिन इस कहावत को चरितार्थ किया आठ साल के एक नन्हें सितारे व्रज ने, जिसने परमात्म शक्ति को अपने जीवन में अपनाकर चमत्कार किया और ऐसा किया कि आप भी सुनकर दाँतों तले अंगुली दबा लेंगे। यह कहानी अगर हम आपको सुनायें तो अधूरी रह जाएगी, लेकिन अगर आप यह कहानी उसी की ज़ुबानी सुनें जिसके साथ यह हुआ तो यह एक अनोखा अनुभव आपको दे जाएगा।

फूलों की कहानी कलियों ने लिखी।
आसमान की कहानी सितारों ने लिखी।।
ना रहेंगे ब्राह्मण माया के गुलाम।
क्योंकि ब्राह्मणों की कहानी स्वयं भगवान ने लिखी।।

ब्र.कु. व्रज, कठलाल,नडीयाद,गुजरात।

मैं एक छोटा सा बच्चा हूँ। आठवीं कक्षा में पढ़ता हूँ। एक साल से परमात्मा अर्थात् शिव बाबा के घर नियमित रूप से मुरली क्लास में जाता हूँ। बाबा को देखकर मुझे बहुत शक्ति मिलती है। इस साल आठवीं कक्षा में मेरी चार सब्जेक्ट में 100 में से 100 मार्क्स प्राप्त हुए। पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। यह तो ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाए जाने वाला राजयोग मेडिटेशन या यूं कहें ये तो बाबा की कमाल है। मैं योग के समय यह अभ्यास करता था कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा हूँ। बाबा से बहुत शक्तियाँ प्राप्त कर रहा हूँ, मेरी परीक्षा में भी बाबा मेरे साथ हैं, मेरा पेपर बहुत ही सरल आयेगा, मुझे सभी प्रश्नों के उत्तर याद आ रहे हैं, मुझे 100 में से 100 मार्क्स प्राप्त हो रहे हैं। ऐसा पूरे विश्वास के साथ यह अभ्यास बार-बार करता था। साथ ही साथ पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान देता था। पहली बार में ही 6 सब्जेक्ट में से 4 सब्जेक्ट में 100 में से 100 मार्क्स प्राप्त हुए, और बाकी 2 सब्जेक्ट में 100 में से 99 मार्क्स प्राप्त हुए। ये तो सिर्फ बाबा का ही कमाल है। इसलिए कहूँगा...``ना ही गिनके दिया है, ना ही तोल के दिया है, बाबा ने मुझे मार्क्स, दिल खोल के दिया है।

इसी बात पर मिर्ज़ा गालिब की ये बात याद आई कि जो मुझे दिल खोलके देता है, उसे मैं गिन-गिन के क्यों याद करूँ! मेरे पिताजी मुझे कई बार कहते थे, बेटा पढ़ाई में ध्यान दो, खेलकूद में ध्यान कम दो, लेकिन फिर भी मैं खेलने ही चला जाता था। जब समय मिलता तो मन लगा के पढ़ता था। मुझे पक्का निश्चय था कि मेरा बाबा मेरा सब अच्छा ही करेगा। सभी बच्चों (स्टूडेंट्स) से मेरा निवेदन है कि दिल से मेहनत, व्यर्थ से मुक्ति (खास टी.वी.) तो ही बाबा की मदद मिलेगी।

जब तक मैंने बाबा को पहचाना नहीं था, तब तक मुझे बहुत क्रोध आता था, लेकिन अब तो क्रोध भी मेरे से बहुत दूर भाग गया है। आज मैंने अपनी मेहनत से अपने माता-पिता को चिंतामुक्त कर दिया है। 2015 में मधुबन में बच्चों के प्रोग्राम में भी बाबा की बहुत मदद मिली। वक्तृत्व स्पर्धा में `जीवन में सहयोग का महत्व' विषय पर मुझे फर्स्ट प्राईज़ मिली थी। बस, जब सच्चे दिल से बाबा को साथी बनायेंगे तो हम सब के अनुभव और ज़्यादा बढ़ेंगे।

इस बात को जब हम दुनिया को बताना चाहें तो हम कह सकते हैं कि हार मान लो तो आशा धीरे से कहती है कि फिर एक बार प्रयास करो।

ताश के पत्तों से महल नहीं बनता।
नदी को रोकने से समंदर नहीं बनता।।
ज़िन्दगी में हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए दोस्तों!।
क्योंकि कोई एक जीत से सिकंदर नहीं बनता।।

सूक्ष्म शरीर की असीम... - पेज 10 का शेष

कर सकता है। माइंड का आधार विचार है और विचार शक्ति या संकल्प शक्ति से हमारे अंदर ऊर्जा का प्रवाह होता है।

जब हम कॉस्मिक एनर्जी को अपने ऊपर लेना चाहते हैं तो उसके लिए अपने संकल्पों को इन पाँच तत्वों के पार ले जाना होता है और बार-बार उस संकल्प पर फोकस करना होता है कि मुझे ब्रह्माण्डीय ऊर्जा को अपने ऊपर लाना है। इसके पहले हम आपको एक बात और बताना चाहेंगे कि कॉस्मिक ऊर्जा का प्रवाह तीव्रता से जब हमारे अंदर संकल्पों की गति कम हो जाती है तब होती है। इसलिए आप देख सकते हैं कि ज़्यादातर दो बजे से लेकर पाँच बजे तक बहुत गहरी नींद आती है, उस समय हमारे संकल्प कम होते हैं, इसलिए कॉस्मिक एनर्जी बहुत तीव्रता से हमारे अंदर प्रवेश करती है। गहरी नींद और पूरी खामोशी में कॉस्मिक ऊर्जा का प्रवाह हमारे अंदर तीव्रता से होता है। हमारे मन को उन संकल्पों से मुक्त करना होगा जो हमारे लिए अनावश्यक हैं, व्यर्थ हैं। जितना व्यर्थ संकल्प कम होगा, उतना ज़्यादा हमारा यह शरीर ऊर्जावान होगा। सूक्ष्म शरीर को शक्तिशाली बनाने का यही सबसे बड़ा आधार है।

जब सूक्ष्म शरीर के सातों ऊर्जा केन्द्रों को चार्ज कर लेते हैं तो उस समय हमारा सूक्ष्म शरीर इस शरीर से अलग महसूस होता है। वो बिल्कुल श्वेत प्रकाश का शरीर बन जाता है और उसका आभामण्डल 18 इंच चारो तरफ फैलने लगता है। इस सूक्ष्म शरीर को स्पेस में हम काफी दूर तक संकल्पों के आधार से ले जा सकते हैं। किसी को भी संदेश पहुँचा सकते हैं, लेकिन यह प्रक्रिया बहुत आसान नहीं है, इसके लिए अपने आपको सबसे पहले तैयार करना होगा और अपने व्यर्थ संकल्पों पर विराम लगाना होगा, तब जाकर हम सूक्ष्म शरीर को विकसित कर पायेंगे। परमात्मा पिता कहते कि तुम्हारी सम्पूर्ण सूक्ष्म काया ही आगे भविष्य में अच्छा स्थूल शरीर या बिल्कुल कंचन स्थूल शरीर का आधार बनेगी। इसका भाव यह है कि हमें अपने संकल्पों को श्रेष्ठ, अतिश्रेष्ठ बनाकर इस सूक्ष्म शरीर की शक्ति से प्रकृति, व्यक्ति और परिस्थिति पर विजय प्राप्त करनी होगी।

बाँदा-उ.प्र.। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित 12 ज्योतिर्लिंग, राधे-कृष्ण, लक्ष्मी नारायण, एवं कुम्भकरण, पाँच-विकारों सहित आकर्षणमय चैतन्य झाँकी का हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ करते हुए परियोजना अधिकारी रमेश चन्द्र। साथ हैं ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. शालिनी व अन्य।

असंसोल-ओडीशा। महाशिवरात्रि पर शिवध्वज फहराने के पश्चात् ए.एम.सी. के वार्ड काउंसलर ओमियो दा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुनीता।

अवोहर-पंजाब। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव ध्वजारोहण करते हुए बी.एस.एफ. के कमांडेंट एम.पी. सिंह, नगर परिषद प्रधान प्रमिल कलानी, जिला भाजपा प्रधान सीता राम शर्मा, स्वास्थ्य विभाग के पूर्व उपनिदेशक डॉ. रमेश वर्मा, डॉ. नवीन सेठी, डॉ. जसवंत सिंह, ब्राह्मण सभा प्रधान एडवोकेट रमेश शर्मा, पार्षद स्वर्षा नारंग, डॉ. सरोज मिगलानी, ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. दर्शना व अन्य गणमान्य जन।

सौंख-उ.प्र.। शिव जयंती पर केक काटते हुए नगर के चेयरमैन शिवशंकर वर्मा, ब्र.कु. दुर्गेशलता, ब्र.कु. बृजमोहन व अन्य।

सादड़ी-राज.। आँखों के कैम्प का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए शेठ कनकराज लोढ़ा, देवराज हिंगड, गोविंद व्यास, ओम बोहरा, मुस्लिम समाज के अध्यक्ष फियाज़ खाँ, ब्र.कु. शुचीता, ब्र.कु. कविता व अन्य।

बीकानेर-राज.। महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. कमल को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. चन्द्रकला पाडिया।

कटक-ओडिशा। `माइंड बॉडी मेडिसिन-होलिस्टिक डायमेंशन इन मेडिकल प्रोफेशन' विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेन्स में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. कमलेश, डॉ. गिरीश पटेल, ब्र.कु. उषा, ब्र.कु. डॉ. बनारसीलाल शाह, प्रो. क्षितिज चन्द्र मोहन्ती,प्रेसीडेंट,आई.एम.ए. व ब्र.कु. प्रो. ई.वी. स्वामीनाथन।

सुभाष नगर-देहरादून। शिव जयंती के उपलक्ष्य में शिव ध्वजारोहण के अवसर पर ईश्वरीय स्मृति में ब्र.कु. नीलम व अन्य।